talbros

Talbros Automotive Components Ltd.

www.talbros.com

Date: May 30, 2019

The Bombay Stock Exchange Ltd. Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal street, Fort, Mumbai- 400 001	**The National Stock Exchange of India Ltd.** Exchange Plaza, 5th Floor, Plot No. C/1, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai- 400 051

Company Code: 505160 / TALBROAUTO

Sub: Published Financial Results of the Company for the quarter and year ended 31st March, 2019.

Dear Sir/ Madam,

Pursuant to Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, we are enclosing copy of published Audited Financial Results (Standalone & Consolidated) for the quarter and year ended 31st March, 2019 in Business Standard newspaper on 30th May, 2019, for your information and records.

Thanking You.

Yours faithfully
For **Talbros Automotive Components Limited**

Seema Narang
Company Secretary

Encl: As above

शपथ समारोह में नहीं जाएंगी ममता बनर्जी

भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या के झूठे दावों के चलते शपथ में हिस्सा नहीं लेने का लिया फैसला

बुधवार को भाजपा में शामिल तृणमूल के पूर्व विधायक मनीरुल इस्लाम के साथ भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय व मुकुल रॉय

अभिषेक रक्षित

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के अपने फैसले से पलटते हुए कहा है कि 2014 की तरह ही इस बार भी वह इस समारोह में नहीं जाने का मन बना रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी 30 मई को शपथ ग्रहण करेंगे। मंगलवार को ममता ने कहा था कि वह 'संवैधानिक कर्तव्य और शिष्टाचार' के कारण शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लेंगी। हालांकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा के दावे की प्रतिक्रिया में फैसला बदल दिया।

ममता ने एक ट्वीट में लिखा, 'बधाई, नए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी। मेरी योजना संवैधानिक निमंत्रण को स्वीकार करने और शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की थी। लेकिन पिछले एक घंटे में मैं मीडिया में ऐसी खबरें देख रही हूं जिनमें भाजपा दावा कर रही है कि बंगाल में राजनीतिक हिंसा में 54 लोगों की हत्या हुई है। यह पूरी से गलत है। बंगाल में ऐसी कोई राजनीतिक हत्या नहीं हुई है। ये मौतें निजी शत्रुता, पारिवारिक झगड़ों और अन्य विवादों के कारण हुई होंगी। इनका राजनीति से कोई संबंध नहीं है। हमारे पास भी ऐसा कोई रिकॉर्ड नहीं है।' उन्होंने आगे लिखा, 'नरेंद्र मोदी जी मुझे माफ करिये, इस बात ने मुझे समारोह में शामिल नहीं होने के लिए बाध्य किया है।'

मंगलवार को मोदी ने वाराणसी में अपने संबोधन में दावा किया था कि राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या उनकी विचारधारा की वजह से की जा रही है जबकि ममता ने इन आरोपों का खंडन किया। भाजपा ने उन पार्टी कार्यकर्ताओं के परिजनों को विशेषतौर पर मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया है जिनकी बंगाल में हुई राजनीतिक हिंसा में कथित तौर पर हत्या हो गई थी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कहा कि ऐसा समारोह 'लोकतंत्र का जश्न' मनाने का एक विशेष अवसर है और इसका इस्तेमाल अपने 'राजनीतिक हित साधने' के अवसर के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए।

लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य भर में कई जगहों पर हिंसा की घटनाओं के साथ मतदाताओं को धमकाने की खबरें भी मिलीं।

इस बीच तृणमूल के एक अन्य विधायक मनीरुल इस्लाम और पार्टी नेता गदाधर हाजरा, मोहम्मद आसिफ इकबाल और निमाई दास भी बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। मंगलवार को भी तृणमूल खेमे के दो विधायकों और माकपा के एक विधायक के साथ 50 पार्षद भगवा पार्टी से जुड़ गए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा, 'तृणमूल के कई लोग भाजपा से जुड़ना चाहते हैं। उन्हें यह अंदाजा है कि तृणमूल का वक्त अब खत्म हो गया है। तृणमूल ने इन लोगों को भाजपा में शामिल न होने के लिए धमकाया लेकिन इसके बावजूद ये लोग हमारे पास आ रहे हैं।'

इंजीनियर के बजाय जेटली बन गए वकील और राजनेता

आदिति फडणीस

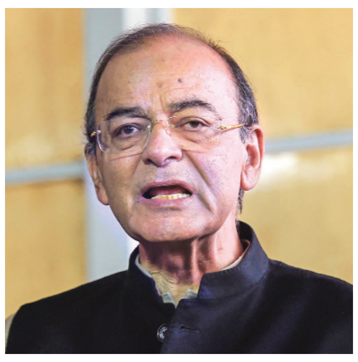

नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल (2014-19) में अरुण जेटली वित्त मंत्री पद पर रहते हुए भी आर्थिक से कहीं अधिक राजनीतिक मसलों पर योगदान देते रहे। लालकृष्ण आडवाणी के केंद्रीय भूमिका से हटने के लिए नहीं राजी होने पर जेटली ने ही मोदी का नाम आगे बढ़ाया था। ऐसे में किसी को भी आश्चर्य नहीं हुआ था जब मोदी ने अपनी सरकार में जेटली को सबसे अहम वित्त मंत्रालय का दायित्व सौंपा था। इसके अलावा पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमन, प्रकाश जावडेकर और रविशंकर प्रसाद जैसे उनके तमाम विश्वासपात्रों को भी अहम मंत्रालय दिए गए थे।

सरकार में शामिल उनके दोस्त एवं सहयोगी उनकी उस प्रतिबद्धता को बयां करते रहे कि राजनीति में उपलब्ध प्रतिभा सत्ता की चाहत रखने वाले नेताओं की तुलना में काफी कम है। इसकी वजह यह है कि अधिकांश राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की कमी है और राजनीति में दस्तक देने वाले लोगों पर कोई गुणवत्ता नियंत्रण नहीं होता है। ये दल अमूमन एक व्यक्ति पर केंद्रित होकर रह जाती हैं और इससे भी बुरी बात यह है कि वो दल जातिगत राजनीति करते हैं। जाति उनके असामाजिक आचरण को भी वैधता दिला देती है।

हालांकि जेटली कभी भी सकारात्मक कार्रवाई वाली राजनीति के खिलाफ नहीं रहे हैं। उनकी आपत्ति जाति-आधारित राजनीति के दुष्परिणामों को लेकर रही है। उन्होंने कुछ साल पहले बिज़नेस स्टैंडर्ड को दिए एक साक्षात्कार में कहा था, 'मैं बिना विचारधारा वाली राजनीति के पूरी तरह खिलाफ हूं।' इस प्रतिबद्धता की ही वजह से जेटली पेशेवर प्रतिभा को पाला-पोषा, संरक्षण दिया और उसे अपनी पूरी क्षमता के साथ बढ़ने का मौका दिया।

इसकी वजह यह है कि खुद जेटली का भी पार्टी में विकास उनके वरिष्ठों के मार्गदर्शन में ही हुआ। उनके पास कोई विरासत नहीं थी। उनके परिवार की जड़ें लाहौर और अमृतसर से जुड़ी हुई थीं। विभाजन के दौरान उनकी मां गर्भवती थीं और अपनी पहली संतान को जन्म देने के लिए अपने मां-बाप के घर आई हुई थीं। जून 1946 में जेटली की बड़ी बहन का जन्म हुआ तो देश के विभाजन को लेकर दंगों का दौर शुरू हो चुका था। ऐसे में पूरे परिवार ने भारत में ही रहने का फैसला किया और दिल्ली आ गया। परिवार दिल्ली के एक ऐसे घर में रहने लगा जिसे एक मुस्लिम परिवार खाली कर जा चुका था।

जेटली पंजाब से ताल्लुक रखने वाले ब्राह्मण परिवार से आते हैं। परिवार के पास अधिक जमीन नहीं थी लेकिन शिक्षा पर काफी ध्यान नहीं दिया गया। उच्च शिक्षा के मौके न के बराबर थे लेकिन स्कूली शिक्षा, कानून एवं विज्ञान सम्मानित माने जाते थे। जेटली के सात चाचाओं को उनकी दादी ने पढ़ाया था। शिक्षा को अहमियत देने वाला पूरा परिवार एक-दूसरे को आगे बढ़ाने में सक्रिय रहा। हर भाई दूसरे की शिक्षा का खर्च उठाता था। अधिकतर लोग कानून की पढ़ाई कर वकालत करने लगे। जेटली ने इंजीनियर बनने के लिए स्कूल में विज्ञान वर्ग लिया था लेकिन वह दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में आ गए। उन दिनों चार्टर्ड अकाउंटेंट के पेशे की काफी मांग थी। यही सोचकर वह कॉमर्स पढ़ने इस कॉलेज में आए थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि बैलेंस शीट पढ़ने की काबिलियत आगे चलकर उनके कितने काम आएगी?

लेकिन कॉलेज की पढ़ाई के दौरान ही जेटली का झुकाव छात्र राजनीति की तरफ हो गया और वह जनसंघ की छात्र शाखा एबीवीपी से जुड़ गए। उन्हीं दिनों इंदिरा गांधी के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन होने लगे थे और जेटली भी भूमिगत राजनीति करने लगे। उन्हें 1974 में गिरफ्तार कर लिया गया और वह 19 महीनों तक जेल में रहे। जेल में रहते समय ही उन्होंने कानून की पढ़ाई के दूसरे साल में प्रथम श्रेणी हासिल किया और वकालत को ही पेशा बनाने का फैसला कर लिया।

विश्व स्तरीय निष्पादन वाला सार्वजनिक क्षेत्र का एक उद्यम

5% कुल बिक्री (Y-O-Y)

17% कर से पूर्व लाभ (पीबीटी) (Y-O-Y)

31 मार्च 2019 को समाप्त चौथी तिमाही के लेखा परीक्षित वित्तीय परिणामों का सार

भारतीय रूपए-करोड़ में

विवरण	एकल				समेकित	
	समाप्त तिमाही	समाप्त वर्ष	समाप्त तिमाही	समाप्त वर्ष	समाप्त वर्ष	समाप्त वर्ष
	31-मार्च-19	31-मार्च-19	31-मार्च-18	31-मार्च-18	31-मार्च-19	31-मार्च-18
	लेखा परीक्षित				लेखा परीक्षित	
प्रचालनों से कुल आय	3,643.32	12,152.67	3,883.01	11,614.91	12,152.67	11,614.91
अवधि के लिए निवल लाभ/(हानि) (कर, विशिष्ट तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	2,197.49	7,198.42	1,993.06	6,034.69	7,193.38	6,031.60
अवधि के लिए कर से पूर्व निवल लाभ/(हानि) (विशिष्ट तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	2,197.49	7,198.42	1,992.42	6,178.99	7,193.38	6,175.90
अवधि के लिए कर के पश्चात निवल लाभ/(हानि) (विशिष्ट तथा/अथवा असाधारण मदों के पश्चात)	1,453.77	4,642.11	1,105.85	3,805.88	4,637.07	3,802.79
अवधि के लिए कुल समेकित आय {अवधि के लिए (कर पश्चात) लाभ/ (हानि) तथा अन्य समेकित आय (कर पश्चात)}	1,417.60	4,641.98	1,203.39	3,853.12	4,671.28	3,856.94
चुकता इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक रू 1/- का अंकित मूल्य)	306.19	306.19	316.39	316.39	306.19	316.39
अन्य इक्विटी (पिछले वर्ष के तुलन पत्र में दिखाए गए पुनर्मूल्यांकन आरक्षित को छोड़कर)	-	25,645.34	-	24,037.44	25,737.81	24,101.02
प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु 1/- का)		(*)			(*)	
मूल (रुपए में)	4.63	14.70	3.50	12.03	14.69	12.04
डाइल्यूटेड (रुपए में)	4.63	14.70	3.50	12.03	14.69	12.04

(*) प्रति शेयर अर्जन (ई पी एस) को वापसी खरीद के कारण समायोजित किया गया है।

टिप्पणी:

I) लेखा परीक्षा समिति ने उपर्युक्त परिणामों की समीक्षा की है तथा उसे बाद में निदेशक मंडल की दिनांक 28 मई, 2019 को सपन्न बैठक में अनुमोदित किया गया है।

ii) लेखा परिक्षित खाते कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) के अधीन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के द्वारा पूरक परीक्षा के अधीन है।

iii) कंपनी के 31 मार्च, 2019 को समाप्त वित्त वर्ष तथा तिमाही के वित्तीय परिणाम सेबी (सूचीबद्धता दायित्व तथा प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम 2015 के विनियम 33 में अपेक्षानुसार संविधिक लेखापरिक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित किए गए हैं। उस पर उनके द्वारा अप्रतिबंधित रिपोर्ट जारी कर दी गयी है।

iv) केंद्र सरकार ने दिनांक 13 अप्रैल, 2016 के अपने परिपत्र द्वारा स्पष्ट किया कि 01-04-2016 से रायल्टी पर सेवा कर लागू होगा। कंपनी ने माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय तथा माननीय न्यायालय, मध्यप्रदेश में दलील रखी तथा दोनों माननीय उच्च न्यायालयों ने स्थगन प्रदान किया। तथापि विशेषज्ञों की राय के आधार पर कंपनी ने रूपए 281.46 करोड़ (गत वर्ष 249.82 करोड़) की देयताओं का प्रावधान रॉयल्टी पर सेवा कर एवं ब्याज के प्रति किया है।

v) कंपनी के वितीय परिणाम कंपनी (भारतीय लेखाकरण मानक) नियम 2015 (यथा संशोधित) के अधीन अधिसूचित भारतीय लेखाकरण मानदंड (आईएनडी-एएस) के अनुरूप बनाए गए हैं। कंपनी ने 01 अप्रैल, 2016 से इंड-एएस को अपनाया है एवं तदनुसार वित्तीय परिणाम कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 133 में विहित इंड ए एस सिद्धांतो के अनुरूप एवं उसके अधीन जारी नियमों के साथ पठित एवं भारत में सामान्यत: अपनाए जाने वाले अन्य लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप बनाए गए हैं।

vi) रू. 3,382.66 करोड़ की कुल व्यापार प्राप्तियों (गत वर्ष रू. 3,181.71 करोड़) पर प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) के प्रति रूपए 249.17 करोड़ (गत वर्ष रू. 335.21 करोड़) की राशि का प्रावधान वर्तमान वर्ष में किया गया है तथा उसे अन्य व्यय में शामिल किया गया है।

vii) कंपनी को विधिक सलाह दी गई कि दिनांक 2 अगस्त, 2017 की रिट याचिक (सिविल) सं. 114/2014 के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का कंपनी पर कोई प्रभाव नही है। यदि बाद की तारीख में एनएमडीसी पर लागू होता है तो कंपनी के लाभ पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। तदुपरांत एनएमडीसी की बैलाडीला परियोजना को जिला - कलेक्टर, दक्षिण बस्तर, दंतेवाड़ा से दिनांक. 31.07.2018 का कारण-बताओ नोटिस प्राप्त हुआ है कि क्यों न उपर्युक्त निर्णय के आधार पर कलेक्टर द्वारा परिगणित क्षतिपूर्ति की रू. 7,241.35 करोड़ की राशि जमा करने के लिए कहा जाए। कंपनी ने कारण बताओ नोटिस पर अपना पक्ष रखा है।

viii) कर्नाटक सरकार ने एनएमडीसी की दोणिमलै लौह अयस्क खान के पट्टे का नवीकरण करते समय एक नई शर्त लगा दी और औसत बिक्री पर 80% का प्रिमियम भुगतान करने को कहा। चूंकि राज्य सरकार की मांग एमएमडीआर अधिनियम के विरुद्ध है, कंपनी ने राज्य सरकार को अपने निर्णय पर विचार करने हेतु अनुरोध किया। राज्य सरकार से उक्त विषय पर कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त होने पर कंपनी ने दिनांक 4 नवंबर 2018 से अपना प्रचालन रोक दिया है तथा इस विषय पर उपयुक्त निदेश के लिए माननीय उच्च न्यायालय, कर्नाटक के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया। माननीय उच्च न्यायालय का निर्णय/परिनाम प्रतीक्षित है।

ix) इस्पात मंत्रालय ने दिनांक 23-04-2018 के अपने विचार-विमर्श नोट में यह निर्णय लिया है कि 'एसपीवी-एनएमडीसी पॉवर लिमिटेड तथा एनएमडीसी-सेल लिमिटेड' को आगे नही बढाया जाए। एनएमडीसी बोर्ड ने कंपनियों की बंदी को अनुमोदित कर दिया है। तदुनसार एनएमडीसी-सेल में रु. 2.50 लाख के निवेश को डिरेट करने के लिए आवेदन 03 अप्रैल 2019 को आरओईसी के पास फाइल कर दिया गया है। एनएमडीसी पॉवर लिमिटेड में निवेश की यथास्थिति बनी हुई है क्योंकि बंदी की कार्रवाई अभी प्रारम्भ की जानी है।

x) उपर्युक्त सेवी (सूचीकरण एवं अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम 2015 के नियम-33 के अधीन स्टॉक एक्सचेंज में दायर किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत फॉर्मेट का सार है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण फॉर्मेट स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट **(www.nseindia.com, www.bseindia.com)** तथा कंपनी की वेबसाइट **www.nmdc.co.in** पर उपलब्ध हैं।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 28 मई, 2019

कृते एनएमडीसी लिमिटेड
ह/-
(अमिताभ मुखर्जी)
निदेशक (वित्त)
DIN No.: 08265207

पंजी. कार्यालय: 10-3-311/ए, 'खनिज भवन', कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद-500028
वेबसाइट : www.nmdc.co.in, CIN: L13100AP1958GOI001674

पर्या हितैषी खनिक

@nmdclimited

talbros

टालब्रोस आटोमोटिव कम्पोनेंट्स लिमिटेड

(सीआईएन: L29199HR1956PLC033107)
पंजीकृत कार्यालय: 14/1, दिल्ली मथुरा रोड, फ़रीदाबाद - 121003, (हरियाणा)
टेलि नं: 0129-2251482, **वेबसाइट:** www.talbros.com, **ई-मेल:** seema_narang@talbros.com

समेकित निवल राजस्व में 22.90 प्रतिशत वृद्धि

समेकित पीबीटी में 21.66 प्रतिशत वृद्धि

समेकित पीएटी में 15.20 प्रतिशत वृद्धि

31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय परिणामों का सारांश

(₹ लाख में)

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	31.03.2019	31.12.2018	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
प्रचालनों से कुल आय	10,887.42	12,784.18	11,224.78	48,999.30	40,629.76
अपवादात्मक मदों एवं कर पूर्व लाभ	689.50	853.79	898.11	3,413.81	2,590.26
अपवादात्मक मदें	–	–	–	–	215.77
कर पूर्व लाभ	689.50	853.79	898.11	3,413.81	2,806.03
कर पश्चात निवल लाभ	611.06	641.75	755.14	2,637.79	2,289.56
अवधि के लिए कुल व्यापक आय (कर पश्चात लाभ और कर पश्चात अन्य व्यापक आय शामिल)	559.71	467.02	544.90	2,159.46	2,615.54
प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रु. 10.00 प्रत्येक)	1,234.56	1,234.56	1,234.56	1,234.56	1,234.56
प्रति शेयर अर्जन (रु. 10/- प्रत्येक) (अवधि के लिए - गैर वार्षिकीकृत)					
मूल (रू.)	4.95	5.20	6.12	21.37	18.55
तनुकृत (रू.)	4.95	5.20	6.12	21.37	18.55

टिप्पणी:

1. उपरोक्त परिणाम, सेबी (सूचीयन बाध्यताएं एवं प्रकटन आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए समेकित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों को पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.nseindia.com एवं www.bseindia.com) और कम्पनी की वेबसाइट www.talbros.com पर भी उपलब्ध हैं।
2. वित्तीय परिणामों की 29 मई, 2019 को आयोजित अपनी संबंधित बैठकों में लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुशंसा की गई और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है तथा कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा की गई है।
3. 31 मार्च, 2019 को एकल परिणाम निम्नानुसार हैं:

(₹ लाख में)

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	31.03.2019	31.12.2018	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
प्रचालनों से कुल आय	11,007.42	12,904.18	11,296.78	49,479.30	40,941.76
अपवादात्मक मदें एवं कर पूर्व लाभ	578.56	751.49	803.82	2,943.59	2,209.81
अपवादात्मक मदें	–	–	–	–	215.77
कर पूर्व लाभ	578.56	751.49	803.82	2,943.59	2,425.58
कर पश्चात निवल लाभ	500.12	539.45	660.85	2,167.57	1,909.11

4. समूह ने 1 अप्रैल, 2018 से संचित प्रभावी प्रक्रिया का उपयोग करके इंड एएस 115 'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व' को अपनाया है। मानक को पूर्वव्यापी रूप से केवल उन अनुबंधों पर लागू किया जाता है जो प्रारंभिक आवेदन की तिथि तक पूरा नहीं होते हैं और तुलनात्मक जानकारी को पुन: वर्णित नहीं किया जाता है। मानक को अपनाने से समूह के वित्तीय परिणामों पर कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ा है।
5. माल एवं सेवा कर (''जीएसटी'') 1 जुलाई, 2017 से लागू है जिसे उत्पाद शुल्क सहित सभी अप्रत्यक्ष करों के बदले लागू किया गया है। राजस्व को उत्पाद शुल्क सहित दर्ज किया जाता था लेकिन इसमें अन्य प्रत्यक्ष करों का निवल शामिल नहीं होता था। तद्नुसार, 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए प्रचालनों से राजस्व में उत्पाद शुल्क को शामिल किया गया है लेकिन यह अन्य अप्रत्यक्ष करों का निवल है। 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए प्रचालनों से राजस्व जीएसटी सहित सभी करों का निवल है। यदि पहले दर्ज किये गये राजस्व को उत्पाद शुल्क का निवल दर्शाया होता तो तुलनात्मक राजस्व निम्नानुसार होता:

(₹ लाख में)

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	31.03.2019	31.12.2018	31.03.2018	31.03.2019	31.03.2018
	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
प्रचालनों से राजस्व	10,623.63	12,514.46	11,016.58	48,284.79	39,297.50

6. अपवादात्मक मदें अपने सोहना प्लांट में नॉन-कोर मैटिरियल व्यवसाय परिसम्पत्तियों के आंशिक सामरिक विनिवेश के अधीन परिसम्पत्तियों की बिक्री पर लाभ को दर्शाते हैं।

कृते टालब्रोस ऑटोमोटिव कम्पोनेंट्स लिमिटेड
हस्ता./-
उमेश तलवार
उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन 00059271

दिनांक : 29 मई, 2019
स्थान : नई दिल्ली

Talbros Automotive Components Ltd.

(CIN: L29199HR1956PLC033107)
Registered Office: 14/1, Delhi Mathura Road, Faridabad-121003 (Haryana)
Tel No.: 0129-2251482; **Website:** www.talbros.com; **E-mail:** seema_narang@talbros.com

CONSOLIDATED NET REVENUES UP BY 22.90%

CONSOLIDATED PBT UP BY 21.66%

CONSOLIDATED PAT UP BY 15.20%

EXTRACT OF AUDITED CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND YEAR ENDED MARCH 31, 2019

(₹ in lacs)

Particulars	Quarter ended			Year ended	
	31-Mar-19	31-Dec-18	31-Mar-18	31-Mar-19	31-Mar-18
	Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited
Total Income from Operations	10,887.42	12,784.18	11,224.78	48,999.30	40,629.76
Profit before exceptional Items and tax	689.50	853.79	898.11	3,413.81	2,590.26
Exceptional items	-	-	-	-	215.77
Profit before tax	689.50	853.79	898.11	3,413.81	2,806.03
Net Profit after tax	611.06	641.75	755.14	2,637.79	2,289.56
Total Comprehensive income for the period (Comprising profit after tax and other comprehensive income after tax)	559.71	467.02	544.90	2,159.46	2,615.54
Paid-up equity share capital (face value of Rs.10.00 each)	1,234.56	1,234.56	1,234.56	1,234.56	1,234.56
Earning Per Share (of ₹ 10 each) (for the period - not annualised)					
Basic (₹)	4.95	5.20	6.12	21.37	18.55
Diluted (₹)	4.95	5.20	6.12	21.37	18.55

Notes:

1. The above is an extract of the detailed format of consolidated financial results for the quarter and year ended March 31, 2019, filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly/annual Financial Results and notes thereto are available on the Stock Exchange websites (www.nseindia.com & www.bseindia.com) and on Company's website www.talbros.com.
2. The financial results were recommended by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their respective meetings held on May 29, 2019 and Audited by the Statutory Auditors of the Company.
3. Standalone Results as on March 31, 2019 are as under:

(₹ in lacs)

Particulars	Quarter ended			Year ended	
	31-Mar-19	31-Dec-18	31-Mar-18	31-Mar-19	31-Mar-18
	Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited
Total Income from Operations	11,007.42	12,904.18	11,296.78	49,479.30	40,941.76
Profit before exceptional Items and tax	578.56	751.49	803.82	2,943.59	2,209.81
Exceptional items	-	-	-	-	215.77
Profit before tax	578.56	751.49	803.82	2,943.59	2,425.58
Net Profit after tax	500.12	539.45	660.85	2,167.57	1,909.11

4. Effective April 1, 2018, the Group has adopted Ind AS 115 "Revenue from Contracts with Customers" using the cumulative effect method. The standard is applied retrospectively only to contracts that are not completed as at the date of initial application and the comparative information is not restated. The adoption of the standard did not have any material impact on the financial results of the Group.
5. Goods and Service Tax ("GST") has been implemented effective July 1, 2017 which has replaced various Indirect taxes including excise duty. Revenue was required to be reported inclusive of excise duty but net of other indirect taxes. Accordingly, revenue from operations for quarter and year ended March 31, 2018 are reported inclusive of excise duty but net of all other taxes. Revenue from operations for the quarter and year ended March 31, 2019 are net of all taxes including GST. Had the previously reported revenues were shown net of excise duty, comparative revenue would have been as follows:

(₹ in lacs)

Particulars	Quarter ended			Year ended	
	31-Mar-19	31-Dec-18	31-Mar-18	31-Mar-19	31-Mar-18
	Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited
Revenue from operations	10,623.63	12,514.46	11,016.58	48,284.79	39,297.50

6. Exceptional items represents profit on sale of assets under partial strategic disinvestment of non-core material business assets at its Sohna plant.

For Talbros Automotive Components Limited
Sd/-

Umesh Talwar
Vice Chairman & Managing Director
DIN : 00059271

Date : May 29, 2019
Place : New Delhi